



फाउंडेशन कोर्स

जैविक/प्राकृतिक खेती के लिए विस्तार सेवाएँ



जैविक/प्राकृतिक खेती के  
तरीके



उत्पादन मॉडल/फसल प्रणाली



जैव संसाधन केंद्र

CALL NOW



+91 8500 28 3300

[www.krishnasudhaacademy.org](http://www.krishnasudhaacademy.org)



जलवायु परिवर्तन, संसाधन की कमी और आर्थिक व्यवहार्यता जैसी कृषि चुनौतियों के स्थायी समाधान के रूप में जैविक और प्राकृतिक खेती का चलन बढ़ रहा है।



यह दृष्टिकोण पुनर्योजी कृषि सिद्धांतों, स्थानीय संसाधनों और पारिस्थितिक संतुलन पर केंद्रित है। भारत भर में किसान अपनी आजीविका को बनाए रखने के लिए पारिस्थितिक, प्राकृतिक या जैविक खेती जैसी कृषि-पारिस्थितिकी प्रथाओं को अपना रहे हैं।

इस आंदोलन में मज़बूत विस्तार प्रणालियों द्वारा समर्थित, आधुनिक विज्ञान के साथ पारंपरिक ज्ञान की पुनर्व्याख्या शामिल है।



सहकारी आंदोलन किसानों को सशक्त बनाने और जैविक खेती मॉडल को प्रभावी ढंग से बढ़ाने के लिए समुदाय-आधारित संगठन बना रहे हैं।

मूल स्तर के विस्तार कार्यकर्ता और मास्टर प्रशिक्षक खाद्य प्रणालियों को कृषि-पारिस्थितिकी दृष्टिकोण में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण हैं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी कार्यक्रमों, गैर सरकारी संगठनों और एफपीओ के बीच मूल स्तर के विस्तार कार्यकर्ताओं का एक कैडर और मास्टर प्रशिक्षकों का एक कैडर बनाना है जो नियमित रूप से जैविक/प्राकृतिक खेती में परिवर्तन का समर्थन करते हैं। मास्टर प्रशिक्षकों को एक ऋतू में अपने कार्यक्रमों को लागू करने के लिए अनुकूलित अभ्यास और सलाह समर्थन मिलेगा।



#### उद्देश्य:

- जैविक/प्राकृतिक खेती पर कार्यक्रमों का समर्थन और कार्यान्वयन करने के लिए संसाधन व्यक्तियों के रूप में चयनित टीम की क्षमता का निर्माण करना
- मासिक समीक्षा और सीखने के माध्यम से सहायता प्रदान करना

जैविक/प्राकृतिक खेती के लिए विस्तार सेवाओं पर फाउंडेशन कोर्स:  
(6 दिन - 50% सिद्धांत और 50% अभ्यास)

- जलवायु परिवर्तन: चुनौतियाँ और अनुकूलन
- प्राकृतिक संसाधन क्षरण और प्रबंधन
- खेत की फसलों, सब्जियों और फलों में जैविक और प्राकृतिक खेती के तरीके
- बायोइनपुट उत्पादन
- जैविक प्रमाणीकरण और विपणन
- कीट, रोग निगरानी और सलाहकार सेवाएँ
- किसान सेवा केन्द्रों का प्रबंधन
- विस्तार और व्यवहार परिवर्तन

**स्थान: कृष्ण सुधा एकेडमी फॉर एग्रोइकोलॉजी, कोंडपर्वा, आंध्र प्रदेश**

**दिनांक: 17 से 22 जून, 2024**

**भाषा: हिंदी/अंग्रेजी**

**पाठ्यक्रम निदेशक: जी. चन्द्र शेखर**

**पाठ्यक्रम समन्वयक: भैरव कुमार**

**कुल प्रतिभागी: 35**

**शुल्क: रु. 15,000 प्रति प्रतिभागी**

इसके अतिरिक्त, सीएसए जैविक/प्राकृतिक खेती के लिए व्यवसाय विकास पर एक उन्नत पाठ्यक्रम प्रदान करता है: (6 दिन का पाठ्यक्रम, 6 महीनों के अभ्यास के बाद)

- जैविक/प्राकृतिक खेती के लिए बाज़ारों को समझना
- घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों के लिए जैविक प्रमाणीकरण
- विपणन रणनीतियाँ और संबंध
- बायोइनपुट उत्पादन के लिए उद्यमों के रूप में जैव संसाधन केंद्र
- जैविक उपज के लिए मूल्यवर्धन
- कार्बन वित्तपोषण और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ
- किसान उत्पादक संगठनों और प्रबंधन का परिचय
- उद्यम के रूप में किसान सेवा केन्द्र

**दोनों पाठ्यक्रमों पर भारी छूट - ₹25,000 प्रति प्रतिभागी**

मासिक समीक्षा और सहायता (हर महीने एक निश्चित दिन पर ऑनलाइन समीक्षा):

- सलाहकारी समीक्षा के लिए साप्ताहिक सहायता
- अनुभवों, प्रथाओं और सुझावों पर मासिक प्रतिक्रिया



**कृष्ण सुधा एकेडमी फॉर एग्रोइकोलॉजी (के एस ए):** श्री पद्मावती वेंकटेश्वर फाउंडेशन की एक इकाई है, जो आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले के कोंडपर्वा गांव में 38 एकड़ परिसर में स्थित है। परिसर में एक समय में करीबन 80 लोगों के लिए आवासीय प्रशिक्षण सुविधा के साथ प्रदर्शन पर जैविक फसल प्रणाली, इनपुट उत्पादन मॉडल की समृद्ध विविधता है। अकादमी आईसीआरएएफ के साथ साझेदारी में कृषि वानिकी पर एक ऊष्मायन केंद्र भी आयोजित करती है।

[www.krishnasudhaacademy.org](http://www.krishnasudhaacademy.org)



**सतत कृषि केंद्र (सी एस ए):** कृषि पारिस्थितिकी के लिए कृष्ण सुधा एकेडमी का ज्ञान भागीदार है। सी एस ए के पास जैविक/प्राकृतिक खेती के मॉडल को नया रूप देने और बढ़ावा देने, किसान उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने और समर्थन करने और सार्वजनिक नीति पर शोध करने का 20 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

[www.csa-india.org](http://www.csa-india.org)

कृषि पारिस्थितिकी के लिए कृष्ण सुधा एकेडमी फॉर एग्रोइकोलॉजी विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन/बस्टैंड और गन्नवरम हवाई अड्डे से 50 कि.मी. दूर है।

अकादमी राष्ट्रीय राजमार्ग 216एच पर है। नुज़वीड से 10 कि.मी. और विसनपेट से 3 कि.मी. दूर है जो सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है।